



Maitri

18 Nov 2003

12:24 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119062604

स्त्रीलिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
17-18/11/2003 : _____ जन्म तिथि _____ : **17/11/2025**
 सोम-मंगलवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 00:24:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:41:02 घंटे
 घटी 44:07:07 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 22:18:22 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:45:09 : _____ सूर्योदय _____ : 06:45:41
 17:26:25 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:26:33
 23:54:26 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:10
 सिंह : _____ लग्न _____ : मीन
 सूर्य : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : गुरु
 सिंह : _____ राशि _____ : तुला
 सूर्य : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 मघा : _____ नक्षत्र _____ : चित्रा
 केतु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : मंगल
 3 : _____ चरण _____ : 3
 ऐन्द्र : _____ योग _____ : आयुष्मान
 तैतिल : _____ करण _____ : गर
 मू-मुकेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रा-राखी
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 वनचर : _____ वश्य _____ : मानव
 मूषक : _____ योनि _____ : व्याघ्र
 राक्षस : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मृग
 22 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 23

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मघा	3	07:18:47	सिंह			लग्न			मीन	29:15:46	4	रेवती
विशाखा	4	01:05:41	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	01:05:41	4	विशाखा
मघा	3	08:26:30	सिंह			चंद्र			तुला	00:03:05	3	चित्रा
पू०भाद्रपद	1	20:40:09	कुंभ			मंगल			अ वृश्चि	15:05:25	4	अनुराधा
अनुराधा	4	14:24:18	वृश्चि		अ	बुध		व	अ वृश्चि	07:57:42	2	अनुराधा
पू०फाल्गुनी	3	21:40:10	सिंह			गुरु		व	कर्क	00:52:41	4	पुनर्वसु
ज्येष्ठा	3	24:35:31	वृश्चि			शुक्र			तुला	18:55:15	4	स्वाति
आर्द्रा	4	18:51:20	मिथु		व	शनि		व	मीन	01:02:28	4	पू०भाद्रपद
भरणी	4	26:31:56	मेष			राहु		व	कुंभ	21:45:21	1	पू०भाद्रपद
विशाखा	2	26:31:56	तुला			केतु		व	सिंह	21:45:21	3	पू०फाल्गुनी
धनिष्ठा	4	05:01:28	कुंभ			मु			मिथु	07:18:47	1	आर्द्रा

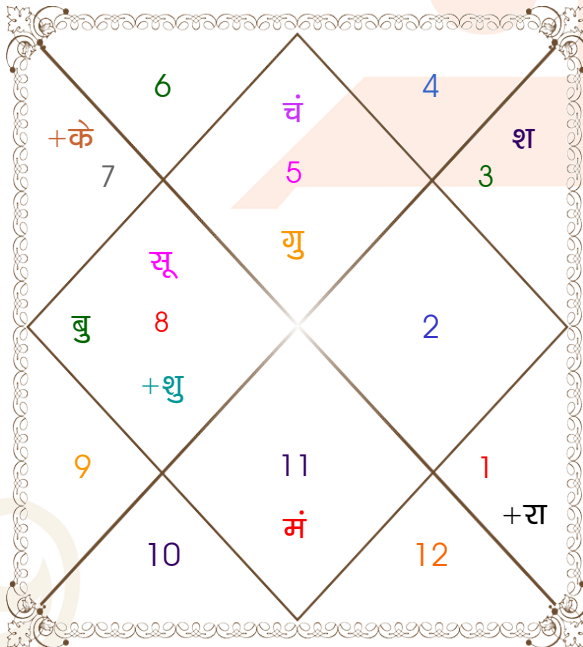
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

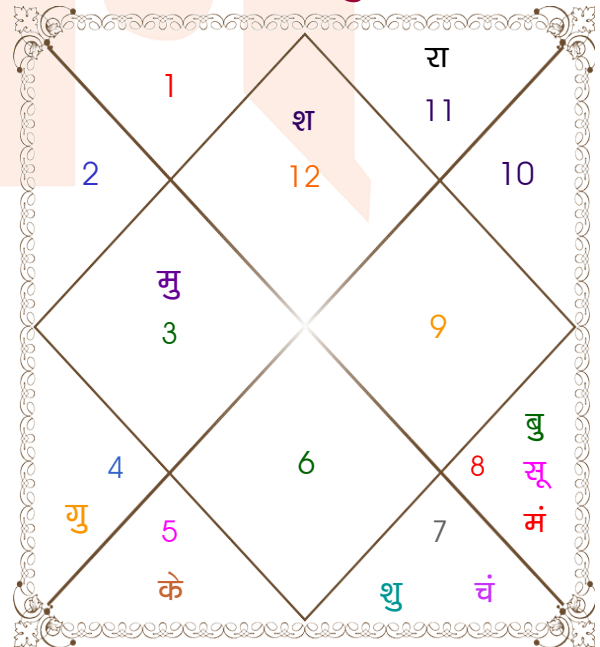
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - केतु - चंद्र 08/08/2025 02:20 12/09/2025 14:35	शुक्र - केतु - मंगल 12/09/2025 14:35 07/10/2025 11:10	शुक्र - केतु - राहु 07/10/2025 11:10 10/12/2025 09:13	शुक्र - केतु - गुरु 10/12/2025 09:13 05/02/2026 04:49
चंद्र 11/08/2025 01:22 मंगल 13/08/2025 03:04 राहु 18/08/2025 10:55 गुरु 23/08/2025 04:33 शनि 28/08/2025 19:29 बुध 02/09/2025 20:13 केतु 04/09/2025 21:56 शुक्र 10/09/2025 19:59 सूर्य 12/09/2025 14:35	मंगल 14/09/2025 01:23 राहु 17/09/2025 18:53 गुरु 21/09/2025 02:25 शनि 25/09/2025 00:53 बुध 28/09/2025 13:24 केतु 30/09/2025 00:12 शुक्र 04/10/2025 03:37 सूर्य 05/10/2025 09:27 चंद्र 07/10/2025 11:10	राहु 17/10/2025 01:16 गुरु 25/10/2025 13:49 शनि 04/11/2025 16:42 बुध 13/11/2025 18:02 केतु 17/11/2025 11:31 शुक्र 28/11/2025 03:11 सूर्य 01/12/2025 07:53 चंद्र 06/12/2025 15:44 मंगल 10/12/2025 09:13	गुरु 17/12/2025 23:02 शनि 26/12/2025 22:56 बुध 04/01/2026 00:06 केतु 07/01/2026 07:39 शुक्र 16/01/2026 18:55 सूर्य 19/01/2026 15:06 चंद्र 24/01/2026 08:44 मंगल 27/01/2026 16:16 राहु 05/02/2026 04:49
शुक्र - केतु - शनि 05/02/2026 04:49 13/04/2026 16:05	शुक्र - केतु - बुध 13/04/2026 16:05 13/06/2026 00:55	सूर्य - सूर्य - सूर्य 13/06/2026 00:55 18/06/2026 12:24	सूर्य - सूर्य - चंद्र 18/06/2026 12:24 27/06/2026 15:33
शनि 15/02/2026 21:12 बुध 25/02/2026 10:36 केतु 01/03/2026 09:03 शुक्र 12/03/2026 14:56 सूर्य 15/03/2026 23:54 चंद्र 21/03/2026 14:50 मंगल 25/03/2026 13:18 राहु 04/04/2026 16:11 गुरु 13/04/2026 16:05	बुध 22/04/2026 05:20 केतु 25/04/2026 17:51 शुक्र 05/05/2026 19:20 सूर्य 08/05/2026 19:46 चंद्र 13/05/2026 20:30 मंगल 17/05/2026 09:01 राहु 26/05/2026 10:20 गुरु 03/06/2026 11:31 शनि 13/06/2026 00:55	सूर्य 13/06/2026 07:29 चंद्र 13/06/2026 18:27 मंगल 14/06/2026 02:07 राहु 14/06/2026 21:50 गुरु 15/06/2026 15:22 शनि 16/06/2026 12:11 बुध 17/06/2026 06:49 केतु 17/06/2026 14:29 शुक्र 18/06/2026 12:24	चंद्र 19/06/2026 06:40 मंगल 19/06/2026 19:27 राहु 21/06/2026 04:19 गुरु 22/06/2026 09:33 शनि 23/06/2026 20:15 बुध 25/06/2026 03:17 केतु 25/06/2026 16:04 शुक्र 27/06/2026 04:36 सूर्य 27/06/2026 15:33
सूर्य - सूर्य - मंगल 27/06/2026 15:33 04/07/2026 00:58	सूर्य - सूर्य - राहु 04/07/2026 00:58 20/07/2026 11:26	सूर्य - सूर्य - गुरु 20/07/2026 11:26 04/08/2026 02:04	सूर्य - सूर्य - शनि 04/08/2026 02:04 21/08/2026 10:27
मंगल 28/06/2026 00:30 राहु 28/06/2026 23:31 गुरु 29/06/2026 19:58 शनि 30/06/2026 20:15 बुध 01/07/2026 17:59 केतु 02/07/2026 02:56 शुक्र 03/07/2026 04:30 सूर्य 03/07/2026 12:11 चंद्र 04/07/2026 00:58	राहु 06/07/2026 12:08 गुरु 08/07/2026 16:44 शनि 11/07/2026 07:11 बुध 13/07/2026 15:04 केतु 14/07/2026 14:05 शुक्र 17/07/2026 07:49 सूर्य 18/07/2026 03:33 चंद्र 19/07/2026 12:25 मंगल 20/07/2026 11:26	गुरु 22/07/2026 10:11 शनि 24/07/2026 17:42 बुध 26/07/2026 19:22 केतु 27/07/2026 15:50 शुक्र 30/07/2026 02:16 सूर्य 30/07/2026 19:48 चंद्र 01/08/2026 01:01 मंगल 01/08/2026 21:28 राहु 04/08/2026 02:04	शनि 06/08/2026 20:00 बुध 09/08/2026 06:59 केतु 10/08/2026 07:16 शुक्र 13/08/2026 04:40 सूर्य 14/08/2026 01:29 चंद्र 15/08/2026 12:11 मंगल 16/08/2026 12:29 राहु 19/08/2026 02:56 गुरु 21/08/2026 10:27

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्युनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती हैं तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

इस वर्ष में शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आपके लिए समय अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी फलतः आप में दुर्बलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। अतः आप अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में असमर्थ रहेंगी। इस समय आपके हृदय में व्याकुलता रहेगी फलतः मन में अशान्ति का भाव भी विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित रहेंगी तथा वे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आपको काफी परेशानी तथा असुविधा उत्पन्न होगी। इस वर्ष में आपके सामाजिक मान सम्मान में भी न्यूनता के अवसर आ सकते हैं। अतः ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक आपको उपेक्षा करनी चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र में भी आपकी स्थिति सन्तोष जनक नहीं रहेंगी। राजनीति या नौकरी में आपके वरिष्ठ सहयोगी या उच्चाधिकारी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः कार्य क्षेत्र में पदोन्नति संबन्धी व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही नौकरी आदि छूटने का भी भय रहेगा। व्यापार आदि में भी इस समय आपके लाभ मार्ग अवरुद्ध रहेंगे फलतः कारोबार में कमी रहेगी जिससे आर्थिक विषमता उत्पन्न होगी। इस समय बेरोजगारों को कार्य मिलने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। अतः इस वर्ष संघर्ष के लिए तत्पर रहें तथा संयमपूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com